SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

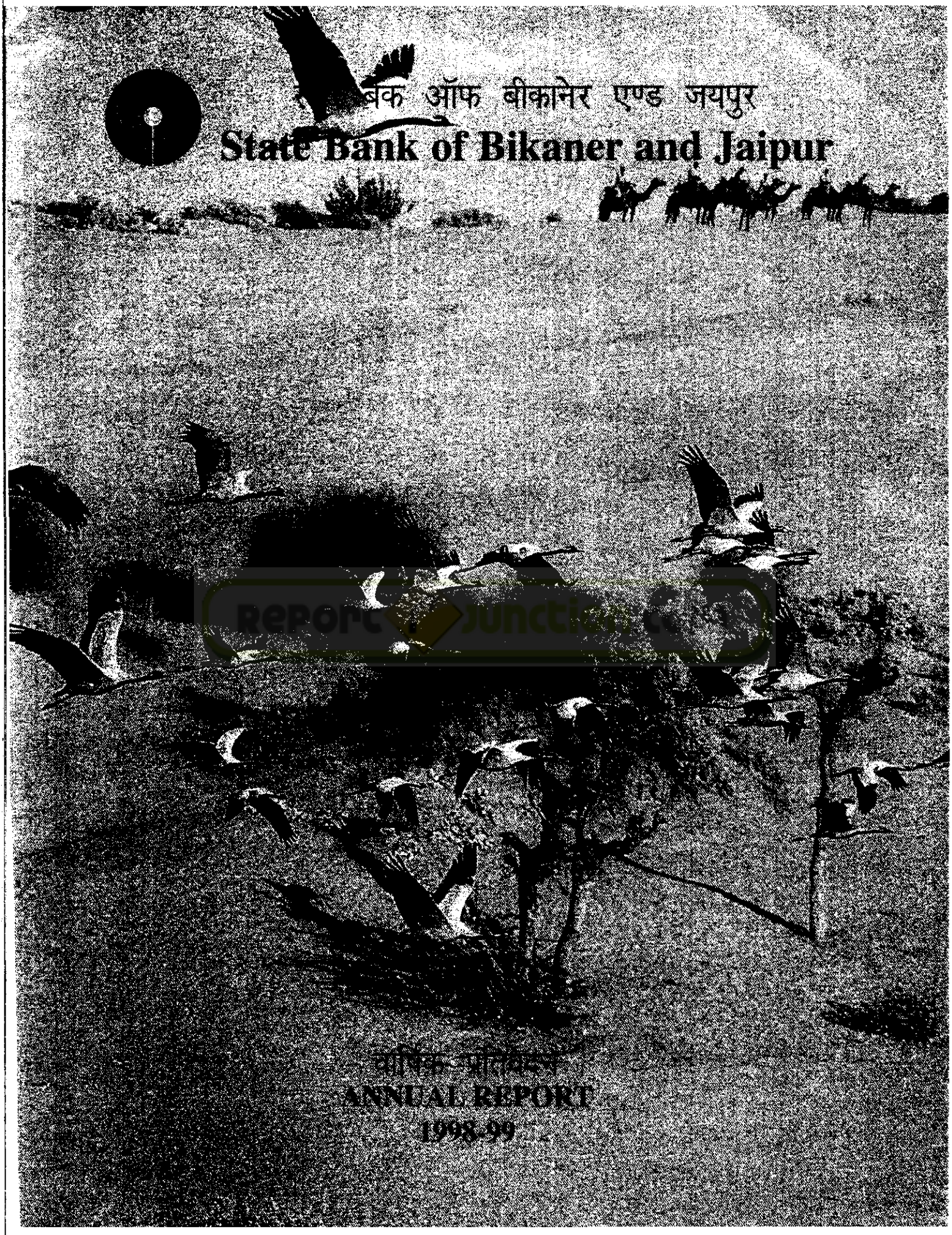

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य
View of the meeting of the Board of Directors

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य	03
Highlights	03
निदेशक मण्डल	05
Board of Directors	05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	06
Directors' Report	07
तुलन-पत्र	28
Balance Sheet	28
लाभ-हानि खाता	30
Profit & Loss Account	30
अनुसूचियाँ	32
Schedules	32
प्रमुख लेखा नीतियां	48
Principal Accounting Policies	49
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	52
Auditor's Report	53
नकदी प्रवाह विवरण	56
Cash Flow Statement	56

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

भारत में विशिष्ट कानून के अन्तर्गत निगमित।
सदस्यों का दायित्व सीमित है।

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की अड़तीसवीं वार्षिक सामान्य बैठक **बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यु सर्किल के पास, जयपुर में बुधवार, दिनांक 14 जुलाई, 1999 को प्रातः 11.30 बजे** (भारतीय मानक समय) आयोजित की जावेगी, जिसमें 1 अप्रैल, 1998 से 31 मार्च, 1999 तक की अवधि के तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्य-निष्पादन एवं क्रियाकलापों पर निदेशकों के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार किया जावेगा।

बोर्ड के आदेशानुसार

जयपुर
जून 7, 1999

एस.के. मुकर्जी
प्रबन्ध निदेशक

State Bank of Bikaner & Jaipur

(Associate of the State Bank of India)

Incorporated in India under special statute.
The liability of the members is limited.

NOTICE is hereby given that the Thirty eighth Annual General Meeting of the shareholders of the State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Birla Auditorium, Near Statue Circle, Jaipur on Wednesday the 14th July, 1999 at 11.30 A.M.** (Indian Standard Time) to discuss the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank for the period from 1st April, 1998 to 31st March, 1999, the report of the Directors on the working and activities of the Bank for the same period and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts.

By Order of the Board

Jaipur
June 7, 1999

S.K. MUKERJI
Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

उल्लेखनीय तथ्य Highlights	
1998-99	
(राशि करोड़ रूपयों में) (Amount in crores of rupees)	
कुल आय Total Income	1127.45
कुल व्यय Total Expenditure	1035.57
शुद्ध लाभ Net Profit	91.88
के अन्त में At the End of	मार्च/March 1999
प्रदत्त पूंजी एवं आरक्षितियाँ Paid-up Capital & Reserves	419.35
जमाराशियाँ Deposits	7740.82
अग्रिम Advances	3840.82
प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sector	1908.53
कृषि को to Agriculture	613.78
लघु उद्योगों को to Small Scale Industries	880.80
लघु व्यवसाय को to Small Business	348.95
निर्यात वित्त Export Finance	476.15
निवेश Investments	3801.70
कार्यालयों की संख्या Number of Offices	886
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees	14970
लाभांश दर Rate of Dividend	30%
प्रति अंश आय Earning per Share	183.76
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%) Capital Adequacy Ratio (%)	12.26

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

श्री जी.जी. वैद्य, अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, मादाम कामा रोड, मुम्बई.	भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष
श्री एस.के. मुकर्जी, प्रबन्ध निदेशक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर.	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत
श्री डी. पी. सारड़ा, मुख्य महाप्रबन्धक, भारतीय रिज़र्व बैंक, महात्मा गाँधी रोड़, कानपुर.	अधिनियम की धारा 25 (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत
श्री डी. पी. राय, उप प्रबन्ध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं समनुषंगी समूह), भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई.	
श्री आर. बी. श्रीवास्तव, महाप्रबन्धक, (सहयोगी एवं समनुषंगी समूह), भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई.	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
डॉ. रंजना, 48, संग्राम कॉलोनी, सी-स्कीम, जयपुर.	
डॉ. प्रहलाद राय, 2, टीचर्स होस्टल, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर.	
प्रो. रमेश के. अरोड़ा, बी-56, जनता कॉलोनी, जयपुर.	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री के. के. सैनी, मुख्य प्रबन्धक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर सचिवालय शाखा, जयपुर	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीबी) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री भीकम चन्द अग्रवाल दलजीता इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्राधिकृत प्रतिनिधि, द्वारा पी. आर. गाँधी एण्ड एसोसिएट्स 318, वैशाली अर्पाटमेन्ट्स, 12/14, पारिख स्ट्रीट, मुम्बई 400 004	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्रीमती सुरमा गुप्ता, ई 236, अम्बा बाड़ी, जयपुर.	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री अरूण चन्द्र, अपर सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), संसद मार्ग, नई दिल्ली.	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

Shri G.G. Vaidya, Chairman, State Bank of India, Central Office, Madame Cama Road, Mumbai.	Chairman, ex-officio under clause (a) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.
Shri S.K. Mukerji, Managing Director, State Bank of Bikaner and Jaipur, Head Office, Tilak Marg, Jaipur.	Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri D.P. Sarda, Chief General Manager, Reserve Bank of India, Mahatma Gandhi Road, Kanpur.	Nominated by the Reserve Bank of India under clause (b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri D.P. Roy, Dy. Managing Director & Group Executive (A & S Group), State Bank of India, Central Office, Mumbai.	
Shri R.B. Srivastava, General Manager, (A&S Group), State Bank of India Central Office, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Dr. Ranjana, 48, Sangram Colony, C-Scheme, Jaipur.	
Dr. Prahlad Rai, 2, Teachers' Hostel, University of Rajasthan, Jaipur.	
Prof. Ramesh K. Arora, B-56, Janta Colony, Jaipur.	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri K.K. Saini, Chief Manager, State Bank of Bikaner and Jaipur, Secretariat Branch, Jaipur.	Nominated by the Central Government under clause (cb) of sub-section (1) of section 25 read with sub-section (2A) of section 26 of the Act.
Shri Bhikam Chand Agarwal, Authorised Representative of Daljita Investments Private Limited C/o P.R. Gandhi & Associates, 318, Vaishali Apartments, 12/14, Parekh Street, Mumbai - 400 004	Elected Director under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Mrs. Surama Gupta, E-236, Ambi Bari, Jaipur.	Nominated by the State Bank of India under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Arun Chandra, Under Secretary, Government of India, Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, (Banking Division), Parliament Street, New Delhi.	Nominated by the Central Government, under clause (e) of sub-section (1) of section 25 of the Act.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल
BOARD OF DIRECTORS

श्री जी.जी. वैद्य, अध्यक्ष
Shri G.G. Vaidya, Chairman

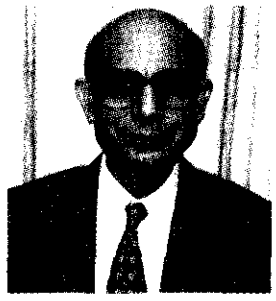

श्री एस.के. मुकर्जी, प्रबन्ध निदेशक
Shri S.K. Mukerji, Managing Director

श्री डी. पी. सारड़ा
Shri D. P. Sarda

श्री डी.पी. राय
Shri D.P. Roy

श्री आर.बी. श्रीवास्तव
Shri R. B. Srivastava

डॉ. रंजना
Dr. Ranjana

डॉ. प्रहलाद राय
Dr. Prahlad Rai

प्रो. रमेश के. अरोड़ा
Prof. Ramesh K. Arora

श्री के.के. सैनी
Shri K.K. Saini

श्री भीकम चन्द अग्रवाल
Shri Bikam Chand Agarwal

श्रीमती सुरमा गुप्ता
Smt. Surama Gupta

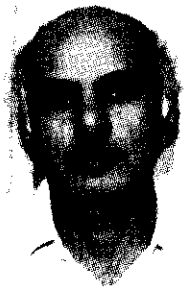

श्री अरूण चन्द्र
Shri Arun Chandra

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43(1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 1998 से 31 मार्च, 1999

भारतीय अर्थव्यवस्था

वर्ष 1998-99 के दौरान पूर्वी एशिया संकट एवं इसके विश्व व्यापार एवं अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण भारत में आर्थिक विकास प्रभावित हुआ। गैर-आर्थिक कारकों से उत्पन्न घरेलू अनिश्चितता ने भी चक्रीय मन्दी से, जिसे अब आर्थिक मन्दी के रूप में जाना जाता है, पुनरुत्थान की गति को धीमा किया है। इनके बावजूद सकल घरेलू उत्पाद, उत्पादन लागत पर, में 1997-98 की 5% की तुलना में वर्ष 1998-99 में 5.8% की अनुमानित वृद्धि दर्ज की गई।

वर्ष 1998-99 में विकास, कृषि एवं सहायक क्षेत्रों में तीव्र सकारात्मक वृद्धि के कारण था जिसमें वर्ष 1997-98 में हुई 1% नकारात्मक वृद्धि की तुलना में 1998-99 में 5.3% सकारात्मक वृद्धि अनुमानित है। कृषि उत्पादन में पूर्व वर्ष की 6% नकारात्मक वृद्धि की तुलना में वर्ष 1998-99 में 3.9% की वृद्धि अनुमानित है। व्यापार, होटल, यातायात एवं संचार के अलावा, अर्थव्यवस्था के अन्य समस्त प्रमुख क्षेत्रों में वृद्धि में अवमन्दन अनुमानित है। औद्योगिक क्षेत्र में वर्ष 1997-98 की 6.60% की तुलना में वर्ष 1998-99 में 3.8% की वृद्धि का अनुमान है। पूँजीगत माल, एकमात्र औद्योगिक क्षेत्र था, जिसने गिरती हुई वृद्धि दर की प्रवृत्ति को रोका। अप्रैल-दिसम्बर, 1998 के लिए 9.80% की वृद्धि दर, गत वर्ष में इसी अवधि की 6.70% की दर से अपेक्षाकृत काफी ऊंची है। व्यापार, होटल, यातायात एवं संचार के क्षेत्र में वर्ष 1997-98 में 5.7% की तुलना में वर्ष 1998-99 में 6.8% की वृद्धि हुई।

पूर्वी एशिया में वित्तीय संकट एवं विश्व व्यापार में आई गिरावट से कई वस्तुओं की विश्व माँग में भी भारी कमी आयी जो कि निर्यात संवर्धन में आई गिरावट की प्रवृत्ति का कारण बना। यू.एस. डॉलर के सन्दर्भ में, निर्यात में पूर्व वर्ष की 2.60% वृद्धि की तुलना में वर्ष 1998-99 में 1.00% की गिरावट आई। यू.एस. डॉलर के सन्दर्भ, में आयात में पूर्व वर्ष की 5.70% की तुलना में 2.70% की वृद्धि हुई।

सम्पूर्ण विश्व में तेल एवं अन्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण वर्ष 1997-98 में चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 1.6 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 1998-99 में 1.4% (अनुमानित) रहा।

समीक्षाधीन वर्ष के अन्त में, मुद्रा स्फीति दर वर्ष 1997-98 में 5.30% की तुलना में 5.32% (बिन्दु-दर-बिन्दु डब्ल्यू.पी.आई.) रही। सितम्बर, 1998 में 8.80% के उच्चतम स्तर पर पहुँचने के बावजूद भी, मुद्रा स्फीति दर वर्ष 1998-99 के दौरान साधारण स्तर पर ही रही।

बैंकों से वाणिज्यिक क्षेत्र को कोषों का कुल प्रवाह पूर्व वर्ष में 18.40% की तुलना में वर्ष 1998-99 में 15.80% बढ़ा।

वर्ष में अधिकांश अवधि के दौरान, पूँजी बाजार मन्दा ही रहा। बाजार से एकत्रित पूँजी का लगभग 80% भाग, ऋण-पत्रों के रूप में था। तथापि, वर्ष 1998-99 की अन्तिम त्रैमासिकी में पुनरुत्थान देखा गया। अनिश्चितता के समाप्त होते स्तर एवं संशोधित जोखिम अवबोधन का यह एक प्रतिबिम्ब है।

राजस्थान में आर्थिक परिवेश

राजस्थान राज्य का विश्व के पर्यटन मानचित्र में एक प्रमुख स्थान है। खनन, रत्न एवं आभूषण, हथकरघा आदि गतिविधियाँ, इस राज्य की प्रमुख आर्थिक गतिविधियाँ हैं। आवश्यक आधारभूत सुविधाओं तथा राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त समर्थन, बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से प्राप्त वित्तीय समर्थन के कारण कई बड़ी औद्योगिक इकाइयाँ राज्य में विकसित हुई हैं। राज्य की नई सरकार यहाँ की आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं को दृष्टिगत रखते हुए, उदारीकरण एवं आर्थिक विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए वचनबद्ध है। उत्पादन में वृद्धि के द्वारा रोजगार के अवसर उत्पन्न करने पर काफी जोर दिया जा रहा है। निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए एवं आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए जहाँ भी आवश्यक हो, सरकार नियमों एवं विनियमों को सरल बनाने के लिए वचनबद्ध है।

मै. भगत एपेरल एण्ड एसोसिएट्स इंटरनेशनल (प्रा.) लि. सफदरजंग एन्क्लेव शाखा, नई दिल्ली

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Report of the Board of Directors to the State Bank of India, the Reserve Bank of India and the Government of India in terms of Section 43(1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Period covered by the report : 1st April, 1998 to 31st March, 1999.

INDIAN ECONOMY

Economic development in India during 1998-99 was affected by East Asian crisis due to its adverse impact on world trade and on international capital market. Domestic uncertainty arising from non-economic factors also played a role in slowing down recovery from the cyclical downturn now considered as recession. Despite these, Gross Domestic Product at factor cost recorded estimated growth of 5.8% in 1998-99 against 5.0% in 1997-98.

Recovery in 1998-99 was led by the rebound in Agriculture and the allied sectors which are estimated to grow by 5.3% in 1998-99 against negative growth of 1% in 1997-98. Agricultural production growth is estimated at 3.9% in 1998-99 against negative growth of 6% in the previous year. Growth in all other major sectors of the economy, except Trade, hotel, transport and communication is estimated to have decelerated. The growth in industrial sector is estimated at 3.8% in 1998-99 against 6.60% in 1997-98. The only industrial sector which bucked the trend of declining growth rate was capital goods. The growth rate of 9.80% for the April - December 98 period is significantly higher than 6.70% in the corresponding period last year. Trade, hotel, transport and communication sector grew by 6.8% in 1998-99 against 5.7% in 1997-98.

Financial crisis in East Asia and slow down in world trade sharply reduced the growth in world demand for many commodities. This contributed to the declining trend in export growth. Exports in terms of US $ declined by 1.00% in 1998-99 against increase of 2.60% in the previous year. Imports in terms of US $ increased by 2.70% against 5.70% in the previous year.

The current account deficit consequently fell from 1.6% of GDP in 1997-98 to 1.4% (estimated) in 1998-99, largely because of decline in the prices of oil and other commodities world over.

The year under review ended with an annual inflation rate of 5.32% (point to point WPI) against 5.30% in 1997-98. Despite reaching peak level of 8.80% in September 1998, the underlying inflation rate remained modest during 1998-99.

Total flow of funds from banks to commercial sector increased by 15.80% in 1998-99 against 18.40% in the previous year.

Capital Market remained subdued during most part of the year. About 80% of the capital raised was in the form of bonds. The last quarter of 1998-99 has, however, seen a revival. This is reflective of the declining level of uncertainty and improved risk perceptions.

ECONOMIC ENVIRONMENT IN RAJASTHAN

The State of Rajasthan occupies an important place on the tourist map of the world. The main economic activities in the State are mining, gem & jewellery, handicrafts etc. Quite a few large industrial units have developed in the State owing to presence of required infrastructural facilities and support provided by the State Govt., financial support provided by banks and financial institutions. The new Govt. of the State has committed itself to giving further boost to the process of liberalisation and economic development keeping in view the requirements and priorities of the State. There is increased thrust on creating employment opportunities by increasing production. The Government is committed to simplifying rules and regulations, wherever needed, in order to attract private investment and support economic development.

M/s Bhagat Apparel & Associates Intl. (P) Ltd., Safdarjung Encl. Branch, New Delhi

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंकिंग एवं वित्तीय परिवेश

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान मुद्रा आपूर्ति में 17.80% की वृद्धि जो कि रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 15-15.50% की सीमा की अपेक्षा काफी अधिक है। हाल ही विगत में, भारतीय रिज़र्व बैंक ने बाजार में हस्तक्षेप द्वारा तरलता को नियंत्रित करने के लिए प्रयास किये हैं, बैंक दर में कटोती करके ब्याज दर नीचे लाने का संकेत दिया है। बैंक साख की माँग में कमी सतत् रूप से जारी रही। बैंकों द्वारा गैर-खाद्य साख में वर्धन तथा निगमित प्रतिभूतियों के निवेश में गिरावट आई है। बैंक की जमा राशियों में तीव्र वृद्धि जारी रही। विषमताओं के बावजूद, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निष्पादन हालांकि धीमा रहा है, फिर भी इसमें सतत् रूप से सुधार हुआ है।

चालू वर्ष की प्रथम छमाही के लिए मौद्रिक नीति में, अल्पावधि नीतिगत उपायों यथा - बैंक दर में परिवर्तन, सीआरआर, रीपो दर आदि के सम्बन्ध में विवेकाधिकार की आवश्यकता को इंगित किया है। देशीय के साथ साथ विदेशी वित्तीय बाजार में उभरते घटनाक्रम को दृष्टिगत रखते हुए इन मूलपरिवर्तकों का समायोजन किया गया है।

नरसिम्हन समिति (II) की अनुशंसाओं के आधार पर, भारतीय रिज़र्व बैंक ने अक्टूबर, 1998 में जारी मौद्रिक एवं साख नीति की मध्यावधि समीक्षा के रूप में अनेक निर्णय लिए है। ये निर्णय, सरकारी/अनुमोदित प्रतिभूतियों के लिए भारित जोखिम, सरकार द्वारा प्रत्याभूत अग्रिमों के लिए भारित जोखिम, मानक अग्रिमों के लिए सामान्य प्रावधानों तथा बैंकों के लिए (31 मार्च, 2000 से) उच्चतर सीआरआर (9%) आदि इनकी चरणबद्ध शुरूआत से सम्बन्धित हैं।

तथापि, बैंकिंग प्रणाली में अधिक तरलता एवं सापेक्ष रूप से कमजोर अपक्रय साख के कारण ब्याज दरों को और लचीला बनाये जाने की गुंजाइश थी। बैंक दर में 1% की कमी कर 8%, सीआरआर में 0.50% की कटौती कर 10.50% एवं रिपो में 2% की कटौतियाँ यह संकेत देती हैं कि वर्ष 1999-2000 के केन्द्रीय बजट की घोषणा के पश्चात, भारतीय रिज़र्व बैंक, निम्नतर दर पर बैंक साख उपलब्ध कराने के लिए एक सुगम मौद्रिक नीति प्रणाली का अनुसरण कर रहा है।

कमजोर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुनरुत्थान के लिए उपायों को सुझाने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक ने एक कार्यशील समूह (भारतीय रिज़र्व बैंक के सलाहकार श्री एम.एस. वर्मा की अध्यक्षता में) का गठन किया है।

निगम परिचालन

यद्यपि, भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्ष 1998-99 में 5.8% की उच्चतर वृद्धि (वर्ष 1997-98 की 5% वृद्धि की तुलना में) दर्ज हुई है, फिर भी औद्योगिक क्षेत्र में 3.80% की धीमी वृद्धि से वर्ष के दौरान बैंक के निष्पादन में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, बैंक का परिचालन लाभ पूर्व वर्ष के रु. 195.91 करोड़ की तुलना में इस वर्ष रु. 162.12 करोड़ ही रहा। परिचालन लाभ में कमी के प्रमुख कारण, बैंक के पी.एल.आर. एवं निर्यात साख पर ब्याज दरों में कटौतियाँ, उपरिव्ययों में वृद्धि, संशोधित वेतनमानों के भुगतान के लिए किया गया रु. 30.00 करोड़ का प्रावधान एवं अनुत्पादक आस्तियों के स्तर में वृद्धि आदि हैं। प्रतिकूल परिस्थितियों एवं कमजोर अपक्रय साख के बावजूद भी, समीक्षाधीन अवधि के दौरान बैंक का निष्पादन सन्तोषजनक रहा है। बैंक ने अपने लाभ स्तर में सुधार लाने के लिए कोष व्यवसाय पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया। बैंक का शुद्ध लाभ पूर्व वर्ष के रु. 90.48 करोड़ की तुलना में इस वर्ष रु. 91.88 करोड़ रहा, तदनुसार 1.55% की वृद्धि हुई। जमा राशियों एवं निवेशों में वृद्धि, गत वर्ष पर क्रमश: 18.63% एवं 34.47% रही। अग्रिमों में गत वर्ष की 21.54% की वृद्धि की तुलना में, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था में समग्र गिरावट के कारण, मात्र 4.93% की वृद्धि हुई।

बैंक का पूँजी पर्याप्तता अनुपात 31.3.98 के 10.65% से बढ़कर 31.3.1999 को 12.26% हो गया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समता पर आय गत वर्ष के 26.29% की तुलना में 21.91% रही।

Report Junction.com

मे. सुप्रीम गिट्टस्स लि., भिवाड़ी भी के शाखा

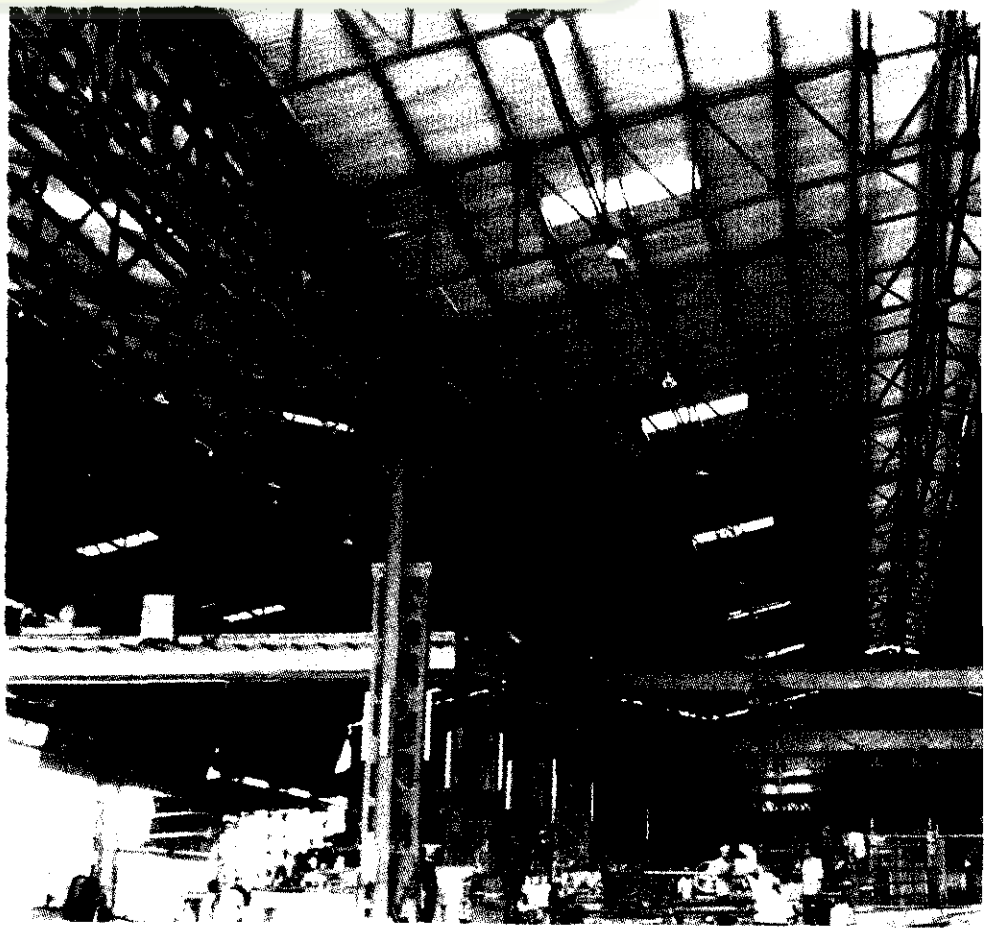

www.reportjunction.com